आज़ादी का अमृत महोत्सव

किड्स, वायु एवं हर घर तिरंगा

2 करोड़ टीकाकरण

स्वतंत्रता संग्राम

विचार@75

संकल्प @75

संग्राम@75

उपलब्धियां@75

(भारतीय झंडा संहिता एवं तिरंगे के बारे में एक चित्रकथा)

डॉ. रविंद्र खैवाल
डॉ. सुमन मोर

किड्स, वायु एवं हर घर तिरंगा

(भारतीय झंडा संहिता एवं तिरंगे के बारे में एक चित्रकथा)

भारत ने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की और 2022 में स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर रहा है। इस उपलब्धि को चिह्नित करने, इनका गौरवशाली इतिहास एवं इन वर्षों में हुई प्रगति दर्शाने के लिए भारत सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव शुरू किया है।

'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत, 'हर घर तिरंगा' अभियान लोगों को अपने घर में राष्ट्रीय ध्वज लाने एवं फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया है। यह अभियान राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक व्यक्तिगत संबंध बनाने में मदद करेगा ताकि हम सभी देशवासी एक साथ खड़े रहें एवं अपने गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें।

इसे ध्यान में रखते हुए, हम यह पुस्तिका किड्स, वायु एवं हर घर तिरंगा लेकर आए हैं, जिसका उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना एवं हमारे राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। आइए हमारे राष्ट्रीय ध्वज एवं उसके इतिहास के बारे में कुछ रोचक तथ्य जानें। इसके अलावा, इस कॉमिक में बच्चों एवं जनता को भारत के ध्वज संहिता को चित्रात्मक एवं आसान शब्दों में समझाने के लिए कोशिश की गयी है ताकि हमारे राष्ट्रीय ध्वज के पूर्ण सम्मान को सुनिश्चित किया जा सके ।

आइए आजादी का अमृत महोत्सव के 'हर घर तिरंगा' अभियान का हिस्सा बनें, अपने भारतीय होने पर गर्व करें, एवं वैश्विक प्रगति एवं शांति में अपना योगदान दें। जय हिन्द! जय भारत!

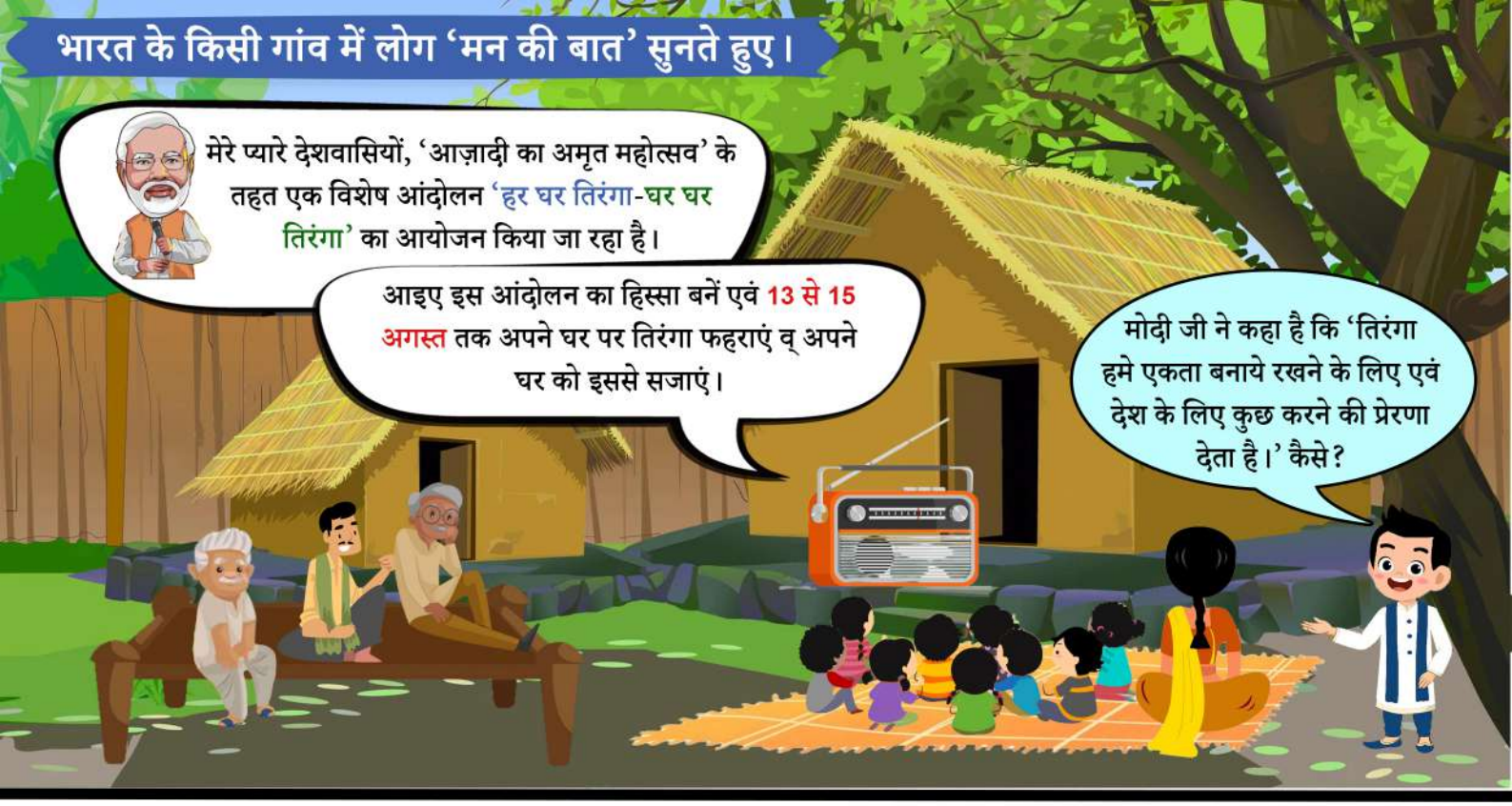

भारत के किसी गांव में लोग 'मन की बात' सुनते हुए।
मेरे प्यारे देशवासियों, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तहत एक विशेष आंदोलन 'हर घर तिरंगा-घर घर तिरंगा' का आयोजन किया जा रहा है।
आइए इस आंदोलन का हिस्सा बनें एवं 13 से 15 अगस्त तक अपने घर पर तिरंगा फहराएं व् अपने घर को इससे सजाएं।
मोदी जी ने कहा है कि 'तिरंगा हमे एकता बनाये रखने के लिए एवं देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा देता है।' कैसे?
हर घर तिरंगा अभियान
13th-15th
अगस्त
2022
बच्चों क्या आप हर घर तिरंगा अभियान के बारे में जानते हो?
हर घर तिरंगा
एक विशेष अभियान... आयोजित किया जाएगा
हर घर तिरंगा अभियान
हर घर तिरंगा?

क्या तुमने हर घर तिरंगा अभियान के बारे में सुना है?
हर घर तिरंगा अभियान! किस लिए?
तिरंगा हमें देश के प्रति कुछ करने के लिए कैसे प्रेरित करता है?
आज़ादी का अमृत महोत्सव क्या है?
15 अगस्त 2022 के बाद तिरंगे को कैसे रखना है ?
इतने सारे प्रश्न? हमारी मदद कौन करेगा?
मुझे पता है कि हमारी मदद कौन कर सकता है। चलो! वायु को बुलाते हैं !
वायु...
वायु...
वायु...
वायु...

वायु पैंगोंग त्सो झील में सशस्त्र बलों के साथ तिरंगे को सलामी देते हुए।

जय हिन्द
जय हिन्द
जय हिन्द

बच्चे बुला रहे हैं। मुझे उनसे मिलने जाना होगा।

वायु हाथ में कई तिरंगे लिए आ रहा है।

अरे वाह ! तिरंगा।

नमस्ते बच्चों, 13 से 15 अगस्त 2022 के दौरान प्रत्येक घर में तिरंगा फहराने के लिए मैं आपके एवं आपके दोस्तों के लिए तिरंगे लाया हूँ।
धन्यवाद, वायु!
बच्चों, तुम सब ठीक लग रहे हो? ऐसा लगता है कि हर घर तिरंगा अभियान के बारे में तुम्हारे कुछ सवाल हैं।
हाँ, वायु। तुमने बिलकुल सही समझा!
आपने हमें तिरंगे को फहराने के लिए कहा था, उस बारे में हमारे कुछ प्रश्न हैं। क्या आप हमारी मदद कर सकते हैं?
क्यों नहीं? मुझे ख़ुशी होगी, बताओ बच्चों! क्या सवाल हैं।
वायु, हम हर घर तिरंगा अभियान किसलिए मना रहे हैं?
आज़ादी का अमृत महोत्सव क्या है?
ठीक है, बच्चों! मैं आपको इसके बारे में समझाता हूँ।

बच्चों, 'हर घर तिरंगा अभियान' आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आता है।

यह लोगों को तिरंगा घर लाने और भारत की आज़ादी के 75वें वर्ष को मनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आज़ादी के 75 वर्ष, यानि कि 'आज़ादी का अमृत महोत्सव'।

हाँ, बच्चों! यह आज़ादी के 75 वर्ष एवं हमारे लोगों के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति एवं उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक सामूहिक जन अभियान है ।

हाँ, वायु! यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ॥
मां और मातृभूमि स्वर्ग से भी बड़ी हैं।

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' 12 मार्च 2021 को शुरू हुआ एवं हमारी आज़ादी की **75वीं वर्षगांठ** को मनाने के लिए जन उत्सव है जो 15 अगस्त 2023 तक जन भागीदारी के साथ मनाया जाएगा।

इतिहास के मील के पत्थर, गुमनाम नायकों को याद करना, इत्यादि।

स्वतंत्रता संग्राम

यह विषय आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत हमारी स्मारक पहल पर प्रकाश डालता है। स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए हमारे गुमनाम नायकों की कहानियों एवं बलिदानों को याद करने के लिए यह विषय रखा गया है । यह हमें 15 अगस्त 1947 को प्राप्त स्वतंत्रता की भारतीय ऐतिहासिक यात्रा में प्रमुख मील के पत्थर एवं स्वतंत्रता आंदोलनों के विषयों में बताता है।

उन विचारों एवं आदर्शों पर आधारित है जिन्होंने देश को आकार देने में योगदान दिया है।

विचार@75

जैसे-जैसे हम अमृत काल की ओर बढ़ते हैं, जिसमें 25 वर्ष शामिल हैं, 2022 (India@75) और 2047 (India@100) के बीच, यह थीम उन कार्यक्रमों एवं घटनाओं पर ज़ोर देता है। जो हमें आकार देने में मदद करते हैं एवं हमें एक नई दुनिया की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें वसुधैव कुटुम्बकम (वसुधैव कुटुम्बकम्) के प्रति अपने विचारों और मूल्यों पर विश्वास करने की आवश्यकता है।

विशिष्ट लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धताओं को सुदृढ़ करना

संकल्प @75

हम सभी को एकजुट होने एवं अपने देश के भाग्य को आकार देने में योगदान देने की जरूरत है। यह विषय हम सभी को एक नागरिक, एक समुदाय, एक समाज के रूप में, या शासन एवं संस्था के एक हिस्से के रूप में अपने देश के विकास के लिए उसकी ताकत बनने के लिए हमारी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

नीतियों को लागू करने एवं प्रतिबद्धताओं को साकार करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर प्रकाश डालना।

संग्राम@75

भारत को नई ऊंचाइयों को छूने की जरूरत है क्योंकि COVID युग के बाद एक नई विश्व व्यवस्था स्थापित हो रही है। यह विषय भारत के प्रयासों, योगदानों, सही विषय, नीतियों को लागू करने व् सरकार की स्थानीय एवं वैश्विक प्रतिबद्धताओं को साकार करने पर केंद्रित है।

विभिन्न क्षेत्रों में विकास एवं प्रगति का प्रदर्शन

उपलब्धियां@75

भारत के गौरवशाली इतिहास का विज्ञान एवं समाज की तरक्की में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस विषय के माध्यम से, स्वतंत्रता के बाद एवं 5000 वर्षों के प्राचीन इतिहास की विरासत के साथ हमारी साझा उपलब्धियों का सार्वजनिक विवरण करना है।

तो क्या, हमारी आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया गया है एवं लोगों को अपने तिरंगे को घर पर ले जाने एवं इसे फहराने के लिए प्रेरित करना है ?
हाँ, बच्चों! इस अभियान का उद्देश्य ध्वज के साथ एक व्यक्तिगत बंधन बनाना है एवं इसे देश में एकजुटता के लिए खड़ा करना है। 'हर घर तिरंगा' अभियान देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देगा एवं हमारे राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जन जागरूकता बढ़ाएगा।
वायु, यह दिलचस्प है!
ठीक है, वायु!
बच्चों, मैं आपसे हमारे राष्ट्रीय ध्वज के बारे में कुछ प्रश्न भी पूछता हूँ।
ज़रूर, वायु!
हमारे तिरंगे को किसने डिज़ाइन किया?
मुझे यह पता है। श्री पिंगली वेंकय्या ने हमारे राष्ट्रीय ध्वज को डिज़ाइन किया। वे आंध्र प्रदेश के एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे।
हाँ, यह सच है!

अथाहिंसा क्षमा सत्यं ह्रीश्रद्धेन्द्रिय संयमाः।
दानमिज्या तपो ध्यानं दशकं धर्म साधनम्॥

अहिंसा, क्षमा, सत्य, लज्जा, श्रद्धा, इन्द्रियों पर नियंत्रण, दान, यज्ञ, तप और ध्यान- ये दस धर्म के साधन हैं।

यतो धर्मः ततो जयः ॥
जहां धर्म है, वहां विजय होगी।

अच्छा बच्चों, अब मुझे बताओ कि हम अपना राष्ट्रीय ध्वज कब फहराते हैं एवं यह क्या दर्शाता है?
स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त
गणतंत्र दिवस 15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस पर हमारी आज़ादी के उपलक्ष्य में ध्वज फहराया जाता है।
जिस तिथि को भारत का संविधान लागू हुआ, उस तिथि को गणतंत्र दिवस के रूप में मानाने के लिए राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है।
तुम प्रतिभाशाली हो बच्चों!
वायु, शिक्षक ने भारतीय झंडा संहिता 2002 के बारे में कुछ कहा था। क्या आप इसे समझा सकते हैं?
हाँ, बच्चों! भारतीय झंडा संहिता यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करती है कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान के साथ मनाया जाये एवं इसकी महिमा में ऊंची उड़ान भरी जाए ।
धन्यवाद, वायु हमें बताने के लिए !!

राष्ट्रीय ध्वज कैसे फहराएं :-

भारत का राष्ट्रीय ध्वज व्यक्तियों, संगठनों या सरकारी अधिकारियों द्वारा खुले में फहराया जाना चाहिए ।

राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान का स्थान दिया जाना चाहिए एवं उसे स्वच्छ स्थान पर रखा जाना चाहिए।

राष्ट्रीय ध्वज दिन हो या रात किसी भी समय फहराया जा सकता है।

जब राष्ट्रीय ध्वज दीवार पर सपाट एवं क्षैतिज रूप से लटका हो तो केसरिया बैंड सबसे ऊपर होना चाहिए। जब राष्ट्रीय ध्वज को लंबवत रूप से लटकाया जाता है, तो केसरी पट्टी देखने वाले व्यक्ति के दाईं ओर या बाईं ओर होना चाहिए।

यदि राष्ट्रीय ध्वज ईमारत के अगले हिस्से या बालकनी या खिड़की पर आड़े या तिरछे फहराया जाए तो राष्ट्रीय ध्वज का केसरी पट्टी डंडे के सिरे की ओर होगा जो खिड़की के छज्जे, बालकनी या अगले हिस्से से सबसे दूर हो।

जब तक भारत सरकार अधिसूचित न करे, राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुकाकर नहीं फहराना चाहिए। जब राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका होता है, तो इसे पहले कर्मचारियों के शीर्ष पर उठाया जाना चाहिए एवं फिर इसे आधा झुकाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज को उतारने से पहले, इसे फिर से अपने उच्चतम बिंदु पर उठाना चाहिए।

राष्ट्रीय ध्वज फहराने के दौरान इन बातों को ध्यान में रखें:

राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी व्यक्ति या वस्तु को सलामी में नहीं डुबाना चाहिए।

अगर राष्ट्रीय ध्वज फटा हुआ या गंदा है तो उसे प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय ध्वज को उल्टा नहीं लटकाना चाहिए, जिसके नीचे केसरी पट्टी हो।

राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग उत्सव, थाली, माला या किसी अन्य तरीके से सजाने के लिए नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज को पानी में भीगने, जमीन, फर्श या पगडंडी को छूने नहीं देना चाहिए ।

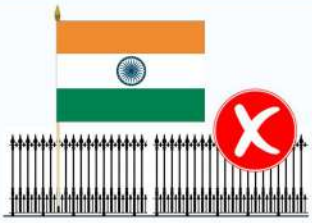

राष्ट्रीय ध्वज को इस तरह से फहराया या संलग्न नहीं करना चाहिए कि वह क्षतिग्रस्त हो जाए।

राष्ट्रीय ध्वज को एक ही मास्टहेड से किसी अन्य ध्वज की तरह एक साथ नहीं फहराया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग स्पीकर की मेज को ढंकने के लिए नहीं किया जा सकता है, न ही इसे मंच पर लपेटा जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज फहराने के दौरान इन बातों को ध्यान में रखें:

राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी चीज़ के लिए पर्दे के रूप में , निजी अंत्येष्टि में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज पर कोई लेखन नहीं होगा।

राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग चीजों को लपेटने, प्राप्त करने या वितरित करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग कार के किनारे, पीछे या ऊपर को ढकने के लिए नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर, बगल में या उससे ऊंचा कोई अन्य ध्वज नहीं रखा जा सकता है। इसके अलावा, ध्वज के मस्तूल पर या उसके ऊपर कुछ भी, फूल या माला भी नहीं लगाई जा सकती है, जिसपे राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है।

कोई भी कमर के नीचे राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग पोशाक, वर्दी या किसी भी प्रकार की उपसाधन के हिस्से के रूप में नहीं कर सकता है। इसे तकिए, रूमाल, नैपकिन, अंडरवियर, या किसी अन्य पोशाक सामग्री पर कढ़ाई या मुद्रित नहीं किया जा सकता है।

बच्चों, याद रखें कि ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान होगा।
ठीक है वायु।

बच्चों, जो कोई भी जानबूझकर भारतीय राष्ट्रगान के गायन को रोकता है,
या इस तरह के गायन में लगे किसी भी सभा में बाधा डालता है, उसे तीन साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों हो सकता है।

हाँ, वायु, अगर कोई ऐसा करेगा तो हम पुलिस को सूचित करेंगे।
बहुत अच्छा, बच्चों!

आज़ादी का अमृत महोत्सव

बच्चों, क्या आप जानते हैं कि आप हर घर तिरंगा अभियान के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी कर सकते हैं?

हर घर तिरंगा
13-15 अगस्त, 2022 तक
अपने घर पर झंडा फहराएं

वास्तव में, कृपया हमें और बताएं।

कृपया वेबसाइट https://harghartirang.com/ पर जाएं एवं यह नीचे की तरह स्क्रीन दिखाएगा एवं आपको निम्नलिखित स्टेप्स को पूरा करने की आवश्यकता है।

बहुत उपयोगी वेबसाइट।

हर घर तिरंगा

13-15 अगस्त, 2022 तक

अपने घर पर झंडा फहराएं

झंडा लगाकर अपनी प्रतिबद्धता दिखाएं

स्टेप 1	स्टेप 2	स्टेप 3	स्टेप 4
"ध्वज फहराएँ" पर क्लिक करें	सोशल लॉगिन करें/ अपने विवरण डालें	अपने स्थान को ऐक्सेस करने की अनुमति दें	अपने स्थान को ऐक्सेस करने की अनुमति दें

मैंने अभी पंजीकरण किया है एवं अपना प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। अद्भुत।

हमें दिखाओ। हमें दिखाओं!

- हर घर तिरंगा अभियान का आधिकारिक पोर्टल harghartirange.com खोलें ।
- पोर्टल पर एक राष्ट्रीय ध्वज पिन करें। उस स्थान को समायोजित करें जहां नागरिक राष्ट्रीय ध्वज को पिन करना चाहता है।
- राष्ट्रीय ध्वज को सफलतापूर्वक पिन करने के बाद, स्क्रीन पर प्रक्रिया पूर्ण होने की सूचना दिखाई देगी।
- प्रमाण पत्र डाउनलोड करने का विकल्प भी प्रदर्शित होगा ।
- डाउनलोड प्रमाणपत्र के विकल्प पर टैप करें। प्रमाणपत्र स्क्रीन पर खुल जाएगा।
- प्रमाणपत्र को ऑफलाइन पीएनजी इमेज के रूप में सेव करने के लिए डाउनलोड का बटन दबाएं ।

यह एक आसान वेबसाइट है। हमें हमारा प्रमाणपत्र भी मिल जाएगा। क्या आपने अपना प्राप्त किया?

हाँ बच्चों! आप 'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए एक डिजिटल राष्ट्रीय ध्वज एवं संसाधन भी प्राप्त कर सकते हैं।

क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय ध्वज का सम्मानजनक निपटान

तरीका-1

प्रतिष्ठित लकड़ी का डिब्बा लाएं

राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक तह लगाकर डिब्बे में रखें

दफनाए हुए राष्ट्रीय ध्वज के स्थान को पत्थर से चिन्हित करें

डिब्बे को ज़मीन में दफना दें

तरीका-2

आग जलाएं

राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक तह करें

तह हुए राष्ट्रीय ध्वज को सावधानी से आग के ऊपर रखें

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए कुछ समय निकालें

तरीका-3

कृत्रिम राष्ट्रीय ध्वज के पुनर्चक्रण पर विचार करें

हमारा ध्वज हमारा गौरव

घटना के बाद कागज के राष्ट्रीय ध्वज को जमीन पर नहीं फेंकना चाहिए। इसे किसी भी उपरोक्त विधि से निपटाया जाना चाहिए।

यदि आप देखते हैं कि राष्ट्रीय ध्वज का अनादर हो रहा है, तो कृपया इसे उठाएं एवं सम्मान के साथ इसका निपटान करें।

राष्ट्रीय ध्वज को तह करने का सही तरीका

तरीका-1

राष्ट्रीय ध्वज को क्षैतिज रूप से रखें

तरीका-2

केसरिया एवं हरे रंग की पट्टियों को बीच की सफेद पट्टी के नीचे मोड़ें

तरीका-3

सफेद पट्टी को इस प्रकार मोड़ें कि केसरिया एवं हरे रंग की पट्टियों के साथ केवल अशोक चक्र दिखाई दे

तरीका-4

तह लगाए हुए राष्ट्रीय ध्वज को हथेलियों या हाथों पर रखें

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

राष्ट्रीय ध्वज के बारे में रोचक तथ्य

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता से ठीक पहले 22 जुलाई 1947 को अंततः स्वीकार किए जाने से पहले के वर्षों में विकसित हुआ था।

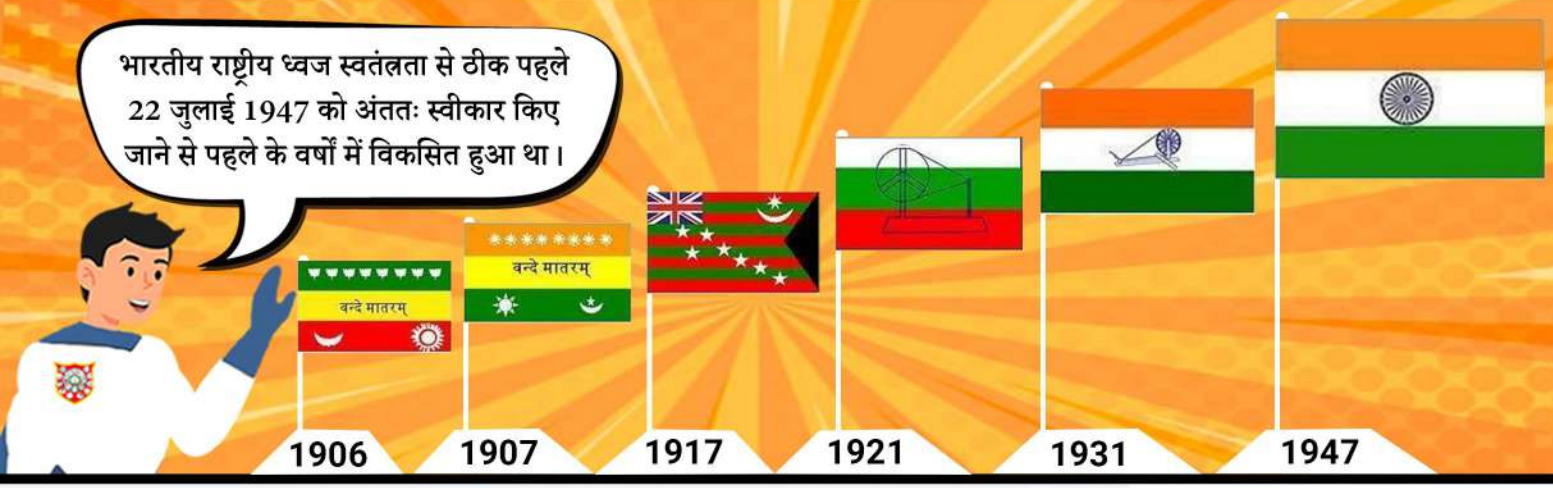

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।

उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त ना हो जाये।

किड्स, वायु एवं हर घर तिरंगा

हमारी आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया गया है एवं लोगों को घर पर राष्ट्रीय ध्वज लाने एवं इसे फहराने के लिए प्रेरित किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य ध्वज के साथ एक व्यक्तिगत बंधन बनाना है एवं देशवासियों को एकजुटता के लिए साथ रहने की प्रेरणा देना है ।

'हर घर तिरंगा' अभियान, देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के साथ राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जन जागरूकता भी बढ़ाएगा। आइए हमारे राष्ट्रीय ध्वज के बारे में कुछ रोचक तथ्य जानें एवं सुनिश्चित करें कि इसे सम्मान के साथ लहराया जाये एवं इसकी महिमा का गुणगान भक्तिभावना के साथ किया जाए ।

आइये इस जन उत्सव को जन भागीदारी के साथ पुरे हर्षोउल्लास के साथ मनाये। जय हिन्द! जय भारत!

अवधारणा, आलेख और विचार:

डॉ. रविंद्र खैवाल
प्रोफेसर, पर्यावरणीय स्वास्थय
सामुदायिक चिकित्सा एवं लोक स्वास्थय विभाग
पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़-160012, भारत
khaiwal@yahoo.com

डॉ. सुमन मोर
एसोसिएट प्रोफेसर एवं चेयरपर्सन
पर्यावरण अध्ययन विभाग
पंजाब विश्वविधालय, चंडीगढ़-160014, भारत
sumanmor@yahoo.com

योगदान:

लक्ष्य खैवाल
गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10, चंडीगढ़, भारत

आदित्य खैवाल
अंकुर स्कूल, चंडीगढ़, भारत

© बिना इज़ाज़त के कोई प्रत्कृति या छपाई की अनुमति नहीं है।
आईएसबीएन: एप्लाइड
पहला संस्करण: अगस्त, 2022